CLASS 12

RBSE BOARD ZONE

PREVIOUS YEAR QUESTIONS

(2013-2024)

CHAPTER-WISE

हिंदी अनिवार्य

राजस्थान बोर्ड में पिछले 12 वर्षों में पूछे गए सभी प्रश्न Chapter-wise

Maniesh Kr Sah

921-6765-400

CONTENT

CHAPTER/TOPIC **PAGE NO**

1. अपठित बोध (क) अपठित गद्यांश ----------02-08

2. अपठित बोध (ख) अपठित पद्यांश ----------09-15

3. निबन्ध लेखन ----------16-18

4. पत्र व प्रारूप लेखन ----------19-20

5. विभिन्न माध्यमों के लिए लेखन ----------21-22

6. फीचर लेखन/आलेख ----------23-24

7. व्यावहारिक व्याकरण ----------25-29

8. सप्रसंग व्याख्या गद्य भाग ----------30-32

9. सप्रसंग व्याख्या (पद्य भाग)----------33-36

10.पाठयपुस्तक - आरोह (गद्य खंड) ----------37-40

11.पाठयपुस्तक - आरोह (काव्य खंड)----------41-43

12.पाठयपुस्तक – वितान----------44-47

TOPIC = अपठित बोध (क) अपठित गद्यांश

1. **निम्न अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:** **[4 x 2 = 8M]**
(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर सीमा 20 से 40 शब्द है)

धर्म का वास्तविक गुण तब प्रकट होता है जब हम जीवन का सत्य जानने के लिए और इस दुनिया की दया और क्षमा योग्य वस्तुओं में वृद्धि के लिए निरन्तर खोज करते हैं और सततअनुसंधान करते हैं । अनुसंधान या खोज की लगन और उन उद्देश्यों का विस्तार जिन्हें हम प्रेमअर्पण करते हैं, ये वास्तविक रूप में आध्यात्मिक मनुष्य के दो पक्ष होते हैं । हमें सत्य की खोज तब तक करते रहना चाहिए जब तक हम उसे पा न लें और उससे हमारा साक्षात्कार न हो । जो कुछ भी हो, हर मनुष्य में वही तत्त्व मौजूद है, अतः वह हमारे प्यार और हमारी सद्भावना का अधिकारी है । समाज और सारी सभ्यता केवल इस बात का प्रयास है कि मनुष्य आपस में सद्भाव के साथ रह सकें । हम इस प्रयास को तब तक बनाए रखते हैं। जब तक सारी दुनिया हमारा अपना परिवार न बन जाए।

(i) धर्म का वास्तविक गुण कब प्रकट होता है ?
(ii) आध्यात्मिक मनुष्य के दो पक्ष कौन-से हैं ?
(iii) हर मनुष्य में कौन-सा तत्त्व मौजूद है ?
(iv) मनुष्यों को आपस में सद्भाव का प्रयास कब तक करते रहना चाहिए ?

(RBSE 2013)

2. **निम्नांकित अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:** **[4 x 2 = 8M]**
(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर सीमा 20 से 40 शब्द है)

गाँधीजी के अनुसार शिक्षा, शरीर, मस्तिष्क और आत्मा का विकास करने का माध्यम है । वे 'बुनियादी शिक्षा' के पक्षधर थे । उनके अनुसार प्रत्येक बच्चे को अपनी मातृ भाषा की निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा मिलनी चाहिए जो उसके आस-पास की जिन्दगी पर आधारित हो; हस्तकला एवं काम के जरिए दी जाए; रोजगार दिलाने के लिए बच्चे को आत्मनिर्भर बनाए तथा नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों का विकास करने वाली हो । गांधीजी के उक्त विचारों से स्पष्ट है कि वे व्यक्ति और समाज के सम्पूर्ण जीवन पर अपनी मौलिक दृष्टि रखते थे तथा उन्होंने अपने जीवन में सामाजिक एवं राजनीतिक आंदोलनों में भाग लेकर भारतीय समाज एवं राजनीति में इन मूल्यों को स्थापित करने की कोशिश की । गांधीजी की सारी सोच भारतीय परम्परा की सोच है तथा उनके दिखाए मार्ग को अपनाकर प्रत्येक व्यक्ति और सम्पूर्ण राष्ट्र वास्तविक स्वतन्त्रता, सामाजिक सद्भाव एवं सामुदायिक विकास को प्राप्त कर सकता है । भारतीय समाज जब-जब भटकेगा तब-तब गाँधीजी उसका मार्गदर्शन करने में सक्षम रहेंगे ।

(i) गांधीजी के अनुसार प्रत्येक बच्चे को किस प्रकार की शिक्षा दी जानी चाहिए ?
(ii) 'गांधीजी के उक्त विचारों से स्पष्ट है कि वे व्यक्ति और समाज के सम्पूर्ण जीवन पर अपनी मौलिक दृष्टि रखते थे.. ' यह किस प्रकार का वाक्य है; बताते हुए परिभाषा भी लिखें ।
(iii) 'सामाजिक' शब्द में मूल शब्द व प्रत्यय बताइए ।
(iv) अपठित गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए ।

(RBSE 2014)

3. **निम्न अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:** **[4 x 2 = 8M]**
(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर सीमा 20 से 40 शब्द है)

देश की सर्वांगीण उन्नति एवं विकास के लिए देशवासियों में स्वदेश-प्रेम का होना परमावश्यक है । जिस देश के नागरिकों में देशहित एवं राष्ट्र-कल्याण की भावना रहती है, वह देश उन्नतिशील होता है । देशप्रेम के पूत-भाव

TOPIC = (1) निबन्ध लेखन (विकल्प सहित) (300 शब्द) [5 MARKS]

1. निम्न विषयों में से किसी एक पर लगभग 450 शब्दों में सारगर्भित निबन्ध लिखिए : [10 M]
   (अ) अति वृष्टि का वह दिन
   (ब) भ्रष्टाचार का महादानव
   (स) इंटरनेट - सूचना क्रान्ति
   (द) पर्यावरण संरक्षण और युवा ।

   (RBSE 2013)

2. निम्न विषयों में से किसी एक पर लगभग 450 शब्दों में सारगर्भित निबन्ध लिखिए : [7 M]
   (अ) भारतीय राजनीति, राजनेता और जातिवाद
   (ब) रंगीला राजस्थान
   (स) नये भारत की आशा युवा वर्ग
   (द) स्त्री-सशक्तिकरण और शिक्षा
   (य) मेरा प्रिय साहित्यकार ।

   (RBSE 2014)

3. निम्न विषयों में से किसी एक पर लगभग 450 शब्दों में सारगर्भित निबन्ध लिखिए : [7 M]
   (अ) आजादी के 67 वर्ष : क्या खोया, क्या पाया
   (ब) बढ़ते संचार के साधन : सिमटता संसार
   (स) मेरा प्रिय खिलाड़ी
   (द) राजस्थानी लोकगीतों की वह प्रतियोगिता
   (य) अनुशासन का महत्त्व ।

   (RBSE 2015)

4. निम्न विषयों में से किसी एक पर लगभग 450 शब्दों में सारगर्भित निबन्ध लिखिए: [7 M]
   (अ) राजस्थान के पर्यटन स्थल ।
   (ब) कन्या भ्रूण हत्या- मानवता पर एक कलंक ।
   (स) राजस्थान में शिक्षा की वर्तमान स्थिति ।
   (द) निरक्षरता एक अभिशाप
   (य) बढ़ती मंहगाई : घटता जीवन स्तर

   (RBSE 2016)

5. निम्न विषयों में से किसी एक पर लगभग 450 शब्दों में सारगर्भित निबन्ध लिखिए : [7 M]
   (अ) राष्ट्र के प्रति हमारा दायित्व
   (ब) बढ़ते वाहन : गिरता स्वास्थ्य
   (स) पर्यावरण संरक्षण : जीवन का मूल आधार
   (द) बढ़ती महंगाई : दुखद जीवन

TOPIC = सप्रसंग व्याख्या गद्य भाग

1. निम्नांकित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : [1+2+1=4M]
(उत्तर-सीमा लगभग 80 शब्द)

मुझे तो मनुष्य के हाथ से बने हुए कामों में उनकी प्रेममय पवित्र आत्मा की सुगंध आती है। राफेल आदि के चित्रित चित्रों में उनकी कला-कुशलता को देख इतनी सदियों के बाद भी उनके अंतः करण के सारे भावों का अनुभव होने लगता है। केवल चित्र का ही दर्शन नहीं, किंतु साथ ही उसमें छिपी हुई चित्रकार की आत्मा तक के दर्शन हो जाते है; परन्तु यंत्रों की सहायता से बने हुए फोटो निर्जीव से प्रतीत होते हैं। उनमें और हाथ के चित्रों में उतना ही भेद है जितना कि बस्ती और श्मशान में।

(RBSE 2018)

2. निम्नांकित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : [1+2+1=4M]
(उत्तर-सीमा लगभग 80 शब्द)

इस प्रकार अपने ज्ञान बल, हृदयबल और शरीरबल की वृद्धि के साथ वह दुःख की छाया मानों हटाता चलता है। समस्त मनुष्य-जाति की सभ्यता के विकास का ही यही क्रम रहा है। भूतों का भय तो अब बहुत कुछ छूट गया है, पशुओं की बाधा भी मनुष्य के लिए प्रायः नहीं रह गई है; पर मनुष्य के लिए मनुष्य का भय बना हुआ है। इस भय के छूटने के लक्षण भी नहीं दिखाई देते। अब मनुष्यों के दुःख का कारण मनुष्य ही है। सभ्यता से अंतर केवल इतना ही पड़ा है कि दुःख-दान की विधियाँ बहुत गूढ़ और जटिल हो गई हैं।

(RBSE 2018)

3. निम्नांकित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : [1+2+1=4M]
(उत्तर-सीमा लगभग 80 शब्द)

जिस प्रकार सुखी होने का प्रत्येक प्राणी को अधिकार है, उसी प्रकार मुक्तातंक होने का भी। पर कर्म-क्षेत्र के चक्रव्यूह में पड़कर जिस प्रकार सुखी होना प्रयत्न-साध्य होता है, उसी प्रकार निर्भय रहना भी। निर्भयता के संपादन के लिए दो बातें अपेक्षित हैं-पहली तो यह कि दूसरों के हम से किसी प्रकार का भय या कष्ट न हो; दूसरी यह कि हमको कष्ट या भय पहुँचाने का साहस न कर सके। इनमें से एक का संबन्ध उत्कृष्ट शील से है और दूसरी का शक्ति और पुरुषार्थ से।

(RBSE 2019)

4. निम्नांकित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : [1+2+1=4M]
(उत्तर-सीमा लगभग 80 शब्द)

यहाँ मुझे ज्ञात होता है कि बाजार को सार्थकता भी वही मनुष्य देता है जो जानता है कि वह क्या चाहता है। और जो नहीं जानते कि वे क्या चाहते हैं, अपनी 'पर्चेजिंग पावर' के गर्व में अपने पैसे से केवल एक विनाशक शक्ति-शैतानी शक्ति व्यंग्य की शक्ति ही बाजार को देते हैं। न तो वे बाजार से लाभ उठा सकते हैं, न उस बाजार को सच्चा लाभ दे सकते हैं। वे लोग बाजार का बाजारुपन बढाते हैं, जिसका मतलब है कि कपट बढाते हैं। कपट की बढ़ती का अर्थ परस्पर में सद्भाव की घटी।

पाठयपुस्तक - आरोह (काव्य खंड)

1.हरिवंश राय बच्चन (1.आत्मपरिचय, 2.एक गीत)

1. 'कवि हरिवंश राय बच्चन की कविता 'आत्म-परिचय' अपनी अस्मिता, अपनी पहचान का बोध कराती है।' उपर्युक्त कथन की उदाहरण सहित व्याख्या 'आत्म-परिचय' कविता के आधार पर कीजिए। [4M]
(RBSE 2018)

2. 'आत्म-परिचय' कविता की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए।
(RBSE 2020)

3. हरिवंश राय बच्चन का कवि परिचय लिखिए । [4M]
(RBSE 2022, RBSE 2023)

2.आलोक धन्वा (पतंग)

4. 'पतंग' कविता में किन-किन बिम्बों को चित्रित किया है? [2M]
(RBSE 2023)

5. 'आलोक धन्वा' का कवि परिचच लिखिए । [4M]
(RBSE 2024)

3.कुँवर नारायण (1. कविता के बहाने, 2. बात सीधी थी पर)

6. "कविता एक खेल है बच्चों के बहाने " "कविता के बहाने' पाठ में कविता और बच्चे मानव-समाज को क्या संदेश देते हैं ? [1.5M]
(RBSE 2013)

7. 'बात सीधी थी पर' कविता का मूल भाव लिखिए । [2M]
(RBSE 2023)

4.रघुवीर सहाय (कैमरे में बंद अपाहिज)

8. "हम समर्थ शक्तिवान, हम एक दुर्बल को लाएँगे, एक बंद कमरे में" 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता की प्रस्तुत पंक्ति में कवि का कौन-सा भाव व्यंजित हुआ है ? [1.5M]
(RBSE 2015)

पाठयपुस्तक - आरोह (गद्य खंड)

10.महादेवी वर्मा (भक्तिन)

1. 'भक्तिन ने महादेवी वर्मा को अधिक देहाती बना दिया किन्तु स्वयं शहर की हवा से 44 दूर रही ।" इस वाक्य की सत्यता सिद्ध कीजिए । [3M]
(RBSE 2015)

2. महादेवी के प्रति अनमोल आत्मीयता से युक्त भक्तिन के बहाने क्या संदेश दिया गया है? [1M]
(RBSE 2023)

11.जैनेन्द्र कुमार (बाज़ार दर्शन)

3. "जो लोग बाज़ार से लाभ नहीं उठा सकते और न ही बाज़ार को सच्चा लाभ दे सकते हैं, वे लोग बाज़ार का बाज़ारूपन ही बढ़ाते हैं ।" कथन का आशय स्पष्ट कीजिए । [3M]
(RBSE 2013)

4. 'बाज़ार-दर्शन' निबन्ध के आधार पर 'बाज़ार के जादू' को स्पष्ट करते हुए इससे बचने के उपाय लिखिए । [3M]
(RBSE 2015)

5. 'बाज़ार में एक जादू है'- इस कथन को 'बाज़ार-दर्शन' अध्याय के आधार पर उचित उदाहरणों द्वारा स्पष्ट कीजिए। [4M]
(RBSE 2018)

6. 'जैनेन्द्र कुमार' का लेखक परिचय लिखिए। (उत्तर शब्द सीमा 80-100 शब्द) [4M]
(RBSE 2021, RBSE 2023)

7. 'माल बिछा रहता है, और उसका मन अडिग रहता है।' इस कथन के आधार पर लेखक के बाज़ारवाद की भावना को लिखिए। [3M]
(RBSE 2024)

12.धर्मवीर भारती (काले मेघा पानी दे)

8. 'काले मेघा पानी दे' के आधार पर समझाइए कि लेखक ने भारतीयों का अंग्रेजों से पिछड़ने व उनका गुलाम बनने के क्या कारण बताए हैं । वह उस स्थिति में सुधार चाहते हुए भी क्यों नहीं कर पाता है ? [3M]
(RBSE 2014)

9. 'काले मेघा पानी दें' निबन्ध के आधार पर बताइए कि जीवन में त्याग और दान का क्या महत्त्व है ? [3M]
(RBSE 2016)

अन्य विषय के Chapter-wise PYQ (Previous Year Questions) खरीदने के लिए हमारी वेबसाइट boardzone.in पर Visite करें या हमें 921-6765-400 पर व्हाट्सएप करें।

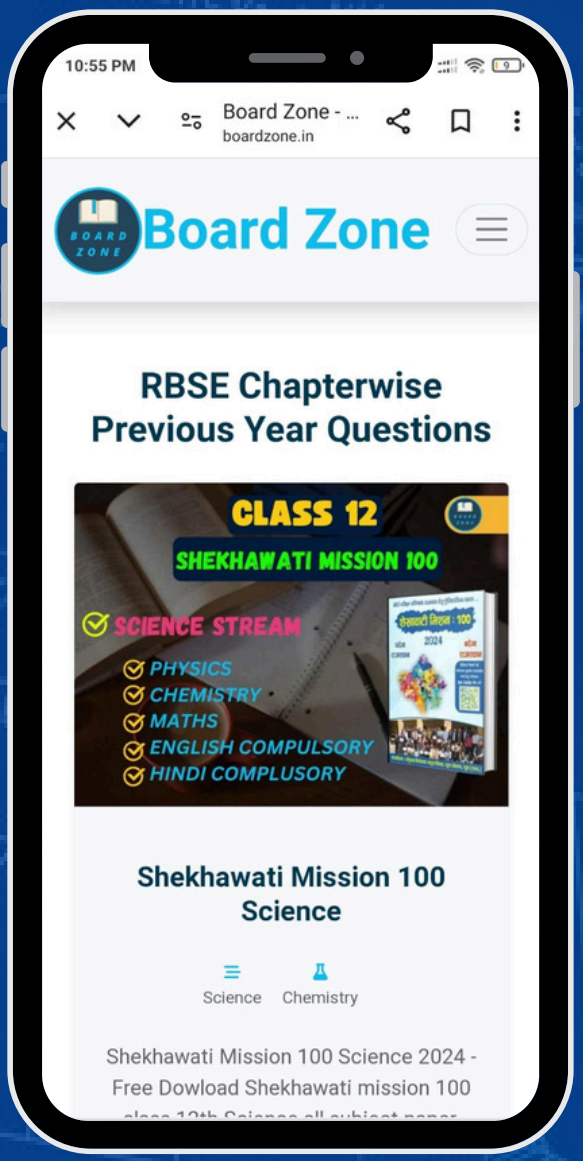

- Chapter-wise PYQ
- Handwritten Notes
- More.....

RBSE

CBSE

MP - BOARD

More